तर्ज-परदेसियों से न अखियां मिलाना

तन्हाईयों का न गुजरे जमाना,
तन्हाईयों में खोया अर्श खजाना

1- हम इस बस्ती में नहीं बसने वाले,
इस वीराने में नहीं रहने वाले
हमारा तो है रंगमोहोल ठिकाना
2- नव भोम के वोह अजब नजारे,
महबूब तुम्हीं हो मेरे प्राण प्यारे
अपनी रूहों को अर्श दिखाना
3- रात पूनम की चांद खिला था,
कायम सुख मेरी रूह को मिला था
अब और प्रीतम न तड़पाना
4- हांस विलास में हर पल गुजरे,
युगल किशोर के संग सखियन के
इश्क पिया का है रूहों ने माना

Nijanand App